वार्तालाप-503, बैगलौर-1 (कर्ना.), 29.1.08 Disc.CD No.503, dated 29.1.08 at Bangalore (Karnatak)

0.00 - 1.30

प्रश्न- (शंकर को) लाल कपडे क्यों दिखाते हैं?

बाबा— क्रांति किये बैगर शांति नहीं होती। अंत कब होता हैं? कर—अंती। अंत कब हो? क्रांति होती है तो सम्पूर्ण शांति होती है और सम्पूर्ण क्रांति कोई कर भी नहीं सकते। ये बाप ही रास्ता बताते सम्पूर्ण क्रांति का। इसलिए झंड़े में लाल रंग सम्पूर्ण क्रांति का दिखाया गया है। जो सम्पूर्ण क्रांति बाप और बाप के बच्चे ही करते हैं। बाप कहते हैं गेट वेट टू हेविन इस महाभारत। क्या? महाभारी महाभारत युद्ध से जो पसार होंगे वही स्वर्ग के गेट खोलेंगे। बाकी पूछड़ी दबाके भागने वाले क्या करेंगे? नर्क बनावेंगे या स्वर्ग बनावेंगे? और ही नर्क बनावेंगे।

00.01-01.30

Question: Why is Shankar shown red cloth [in the flag]?

Baba: There cannot be peace (*shaanti*) without doing revolution (*kraanti*). When does the end come? *Kar-anti* (Bring the end). When will the end come? When a revolution takes place, then there is complete peace and nobody can bring about complete revolution. It is the Father alone who shows the path to complete revolution. This is why the red colour of the flag has been shown to depict complete revolution. The complete revolution which only the Father and Father's children bring about. The Father says: the gateway to heaven is Mahabharata. What? Only those who pass through the massive Mahabharata war will open the gateway to heaven. What will the remaining people who run away like a coward do? Will they establish hell or heaven? They will make it even more a hell.

1.42-4.15

प्रश्न- अष्ट देव में विधर्मी बीज भी आता है क्या?

बाबा— जो आत्मा रूपी बीज 83 जन्म अपने धर्म के पक्के बनकर रहे हो। और आखरी जन्म में माया की चपेट में आ जावे, थोड़े समय के लिए तो उनको कौनसे धर्म का कहा जावेगा? जो आत्मा रूपी बीज 83 जन्म अपने देवी देवता सनातन धर्म के पक्के बनकर के रहे, कोई धर्म में कनवर्ट न हो और अंतिम जन्म में माया उनको पछाड़ देती हो, थोड़े समय के लिए तो उनको कौनसी धर्म की आत्मा कहा जावेगा? जैसे इस्लाम धर्म का जो आधारमूर्त है, वो तो द्वापरयुग आते ही, शुरू होते ही कहाँ चला जाता हैं? माया की नगरी शुरू होते ही पहले ही जन्म में कनवर्ट हो जाता हैं। तो उसको क्या कहेंगे? देवी देवता सनातन धर्म का कड़े ते कड़ा दुश्मन कहेंगे या दोस्त कहेंगे? दुश्मन कहेंगे। बड़े ते बड़ा, कड़े ते कड़ा दुश्मन है काम विकार। वो पहले ही जन्म में अपना रास्ता टटोल लेता है, चला जाता है। और जो आखरी जन्म तक, मरते दम तक संघर्ष करते रहे और अंत में जाकर के माया उनको पछाड़ दे तो उनको कौनसे धर्म का कहेंगे? बताओ। लड़ते—2 जो युद्धभूमि में शरीर छोड़ दे, पीठ दिखाकर के ना भाग जाय उसको कौनसा धर्म का कहेंगे? कनवर्टेड होने वाला कहेंगे या अपने धर्म का पक्का कहेंगे? धरत परिये पर धरम न छोड़िये।

Time: 01.42-04.15

Question: Are *vidharmi* seeds also included among the eight deities?

Baba: The seed-like souls who have been firm in their religion for 83 births and come into the grasp of maya in the last birth for some time, then which religion will they be said to belong? The seed-form soul, which remained firm in its deity religion for 83 births, did not convert to any religion and are defeated by maya in the last birth for some time, then which

religion will they be said to belong? For example, as soon as the Copper Age begins, where does the root- soul of Islam go? As soon as the city of maya begins he converts in the first birth itself. So, what will he be called? Will he be called the biggest enemy of the deity religion or his friend? He will be called an enemy. The biggest, hardest enemy is lust. He (i.e. the root soul of Islam) changes his path in the first birth itself and departs. And those who continued to struggle till the last birth, till the last breath and if maya defeats them in the end, then they will be said to belong to which religion? Speak up. He who leaves his body in the battlefield, he who does not run away from the battlefield, will be said to belong to which religion? Will he be called a converted one or someone who is firm in his religion? You may fall dead on the ground, but you should not leave your religion.

8.05-9.00

प्रश्न— बाबा, शान्तिदेवा और सुखदेवा ये दोनों एक ही साथ प्रत्यक्ष कैसे होंगे? बाबा— बड़ा कौन है? शांति देने वाला बड़ा है या सुखदेव बड़ा है? पहले शांति आवेगी तब ही सुख आवेगा। शांतिधाम का वासी ना बना और कोई कहे हम डायरेक्ट सुखधाम वासी बन जावेंगे तो कैसे बनेगा? शांतिदेवा है कौनसा देवता? शिवबाबा। सुखदेवा है विष्णु।

Time: 08.05-09.00

Question: Baba, how will the deity of peace (*shantideva*) and the deity of happiness (*sukhdeva*) be revealed at the same time?

Baba: Who is greater? Is the giver of peace greater or is the giver of happiness greater? Happiness will come only when there is peace. If someone does not become a resident of the abode of peace and if he says that he will become the resident of the abode of happiness directly, then how will he become? Who is the deity of peace? Shivbaba, and the deity of happiness is Vishnu.

12.30-14.15

प्रश्न— रोग से भी पाप कट जाते हैं। हम दवाई कुछ ले के रोग मिटायें तो पाप ऐसे ही रह जायेंगे?

बाबा— ये अहंकार नहीं करना चाहिए कि हम बड़े योगी हैं। हम योग से ही सारे पाप भस्म कर देंगे। क्या? अहंकार करने से भस्म हो जायेंगे क्या? इसलिए अगर हम ये सोचते हैं कि हमारे में तो इतना योग तो नहीं है अभी, तो क्या जो दवाईयाँ हैं उनका आसरा लेना भी बंद कर दें?

प्रश्न – पाप बैलेन्स में रह जावेंगे।

बाबा – हाँ, तो बैलेन्स से रहना चाहिए ना।

Time: 12.30-14.15

Question: Sins are also burnt through diseases. If we get rid of diseases through medicines, then will the sins remain as they were?

Baba: We should become egotistic and think that we are very big yogis. We will burn all our sins through yog. What? Will they be burnt if we become egotistic? This is why if we think that we are unable to have that much yog now, so should we stop taking the support of medicines as well?

Question: There will be a balance (remainder) of sins.

Baba: Yes, so, you should lead a balanced [life], shouldn't you?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

प्रश्न – दवाईयों से ही खत्म हो जायेंगे क्या, पूछ रहे हैं?

बाबा – दवाई से ही अगर खत्म हो जाते तो 63 जन्मों में बड़े अच्छे-अच्छे वैद्य हुए।

प्रश्न – नहीं लेंगे तो ऐसे रह जायेगी क्या दवाई नहीं लेगी तो?

बाबा — दवाई नहीं लेंगे तो दुःख में परेशान होते रहेंगे तो बाप की याद आयेगी नहीं। जो पुरूषार्थ करेंगे उससे भी रह जावेंगे इसलिए जो प्रयत्न करता है, लगा रहता है, लगनशील होता है उसकी बीमारी बाबा ठीक करा देते हैं या ड्रामा ठीक करा देता है। दृढ़ निश्चय से विजय होती है। कोई हिम्मत हार के बैठ जाये जब सम्पूर्ण बनेंगे तो बीमारी भी हमारी ठीक हो जायेगी। फिर तो जब भूख लगे तो फिर यही समझ के बैठ जाओ जब संपन्न होंगे तो भूख लगना बंद हो जायेगी।

Question: The question is whether the sins will be finished only through medicines?

Baba: If the sins could have been finished only through medicines, then there have been very good *Vaidyas* (doctors) in the 63 births.

Question: If we do not consume medicines, then will the sins remain as they were?

Baba: If you do not take medicines, you will continue to be disturbed in pain; then you will not remember the Father. You will not be able to make the spiritual effort that you could have made. This is why the one who makes efforts, [the one who] remains busy at it,[the one who] is devoted, his illness will be treated by Baba or by drama. Someone gains victory through unshakeable faith. If someone loses courage and sits thinking: 'our illness will be treated when we become complete'; if that is the case, then whenever you feel hungry, think that you will stop feeling hungry when you become complete!

18.26-20.05

प्रश्न– बाबा नींद करने से आत्मा की शक्ति क्षीण होती है?

बाबा— नींद करने से आत्मा की शक्ति क्षीण होती है तो एक महीना जगकर के देखो। बाबा भी कहते हैं निद्राजीत बनो। ये नियम नहीं हैं। नियम ये है जब थकान हो जाती है तो थकने के बाद नींद करने से आत्मा को शक्ति प्राप्त हो जाती है। कि उल्टी बात है?

प्रश्न – जरूर।

बाबा – उल्टी बात नहीं बोलना ।

प्रश्न – तो ज्यादा से ज्यादा नींद करने से।

बाबा — अति हर चीज़ की बुरी होती हैं। अति सर्वत्र वर्जते। निद्रा ज्यादा करेंगे तो वातावरण कैसा बनेगा? निंद्रा 4—5 घंटे की हो जाये और स्वालिड नींद आ जाये। न स्वप्न वाली नींद हो न गंदे स्वप्न वाली नींद हो न वाली नींद हो वो ज्यादा अच्छा या लम्बे समय तक सोते रहे और बुरे—बुरे स्वप्न देखते रहें वो अच्छा? (जिज्ञासू—सतोप्रधान नींद अच्छा है) सात्विक नींद ज्यादा अच्छी, भले गहरी नींद हो, थोडे समय की।

18.26-20.05

Question: Baba, does a soul become weak by sleeping?

Baba: If the soul becomes weak by sleeping, then try remaining awake for a month. Baba also says: *nidrajeet* (become conquerors of sleep). This is not the rule. The rule is that when we become tired, after becoming tired, if we sleep, the soul gets power. Or is it opposite?

Question: Certainly.

Baba: Don't say the opposite.

Question: So, by having more sleep....

Baba: Extremity of anything is bad. (Ati sarvatra varjate) (Extremity of everthing is prohibited) If you sleep more, what kind of an atmosphere will be created? Is it better if

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

someone sleeps for 4-5 hours and has solid sleep, has a sleep without dreams, has a sleep without dirty dreams, has a sleep without snoring or is it better if someone sleeps for a long time and keeps having bad dreams? (Student: satopradhan sleep is good) Pure sleep is better, even if it is a deep sleep for a short period.

20.11-21.15

प्रश्न– भाई–भाई बनने का पुरूषार्थ करना चाहिए।

बाबा- कौन मना करेगा? नहीं करना चाहिए?

प्रश्न – वो स्टेज तक पहुँचना है ना।

बाबा– हाँ, पहुँचना है।

जिज्ञास् पहुँचने के लिए उपाय क्या है?

बाबा — पहुँचने के लिए उपाय यही है कि बिंदु देखों अपने को और दूसरों को भी बिंदु देखों। न अपने देह के रूप को देखों और न दूसरों का देह का रूप दिखाई दे। इतनी प्रैक्टिस पक्की हो कि जैसे ही नजर जाये तो आत्मा के ऊपर नजर जाये, देह देखने में ही ना। प्रैक्टिस् मेक्स ए मैन परफेक्ट। अभ्यास करते—करते ये अभ्यास इतना पक्का हो जावेगा कि देह दिखाई देगी ही नहीं।

Time: 20.11-21.15

Question: We have to make *purusharth* to [see] everyone as brothers.

Baba: Who will stop you? Should you not do that?

Student: We should reach that stage.

Baba: Yes, you should reach.

Question: What is the method to reach that stage?

Baba: The method of reaching there is to see the point. Look at yourself and at others as points. Neither see your own physical form nor others' physical form. The practice should be so firm that as soon as you see someone, your eye should see the soul; the body should not be visible at all. Practice makes a man perfect. While practicing again and again, this practice will become so firm that you will not see the body at all.

26.48-28.55

प्रश्न— बाबा अमृतवेला माना कितना बजे से कितना बजे तक करना है? बाबा— अभी तो बताया नमा शाम शाम का टार्डम। सबेरे को तो जर

बाबा— अभी तो बताया नुमा शाम, शाम का टाईम। सबेरे को तो जगना हो नहीं पाता है क्योंकि तमोप्रधानता बहुत बढ़ गई। 63 जन्म तो पाप किये थे वो तो एक गुना पाप चढ़ता था। अभी जो संगमयुग में जो दुःख देने का पाप करते हैं तो कितना पाप चढ़ता है? सौ गुना पाप रोज चढ़ता रहता है और पता नहीं कितनी बार चढ़ता है? तो संगमयुग में जब इतना सौ गुना पाप का बोझ चढ़ता रहता है तो सबेरे को नींद खुलेगी? नहीं खुलेगी। तो सबेरे को ना सही तो कम से कम तो शाम को ही अमृतवेला।

Time: 26.48-28.55

Question: Baba, *Amritvela* should be followed from which time to which time?

Baba: Just now it was said, the time in the evening we are not able to wake up in the morning because we have become so degraded. We committed sins for 63 births; for that we used to accumulate one time sin. Now in the Confluence Age the sinful [deed] which we do by giving sorrow [to others], how many sins accumulate [through that]? You keep accumulating hundred times sins everyday and you do not know how many times you accumulate them? So, if you keep accumulating hundred times sins in the Confluence Age, will you be able to wake

up in the morning? No, you won't be able to wake up. So, if not in the morning, at least you can observe *amritvela* in the evening.

प्रश्न – वो स्थूल का हो गया ना बाबा।

बाबा-स्थल का काहे के लिए।

जिज्ञासू – अस्त का टाईम है ना वो।

बाबा – तो क्या हुआ? हमें उसी टाईम में सुख मिलता है।

प्रश्न - बेहद में?

बाबा — बेहद में ही तो बता रहे हैं और क्या हद में बता रहे हैं? जिन आत्माओं ने ब्राहमणों की संगमयुगी दुनियाँ में कन्ट्रोलिंग पॉवर नुमा शाम के समय ले ली। उनके लिए अमृतवेला कौन सा हुआ? सतयुग—त्रेता में तो दास—दासी बनती रहेगी और ऊँची स्टेज उनकी कब बनेगी? द्वापर आदि में ऊँची स्टेज बनेगी। तो हरेक का अमृतवेला अपने—अपने कर्मों के आधार पर नुँधा हुआ हैं। जब जागे तब मोर। क्या कहा? जब जगे तो सवेरा।

Question: That is in a physical sense Baba, isn't it?

Baba: How is it in a physical sense?

Student: That is the time for sunset, isn't it?

Baba: So, what? That is the time we receive happiness.

Question: In an unlimited sense?

Baba: I am indeed talking in an unlimited sense itself. Am I talking in a limited sense? The souls who obtained the controlling power in the evening time in the Confluence Age world of Brahmins; when is the *Amritvela* for them? They will keep becoming maids and servants in the Golden Age and Silver Age and when will they achieve a high stage? They will achieve a high stage in the beginning of the Copper Age. So, everybody's *amritvela* is fixed according to their own karma. Whever someone wakes up it is dawn for him. What was said? Whenever someone wakes up, it is morning for him.

29.00-32.17

प्रश्न- बाबा कन्नडा मुरली रजिस्टर बनाने के लिये कहा है।

बाबा – किसने कहा?

प्रश्न – लाईब्रेरी बनाने के लिए कहा।

बाबा — लाईब्रेरी बनाने के लिए कहा? किसने पूछा होगा तो कह दिया होगा। कोई पूछते हैं बाबा शादी करें? तो बाबा कहते हैं — हाँ बच्चे, शादी करो। लोगों को हिंदी सिखाने के लिए कन्नड़ा मुरली का भी रजिस्टर बना लो। तािक लोग हिंदी सीख जायें! फिर शादी करने वाले शादी कर लेते हैं तो फिर पीछे से पुछल्ला लगा दिया। क्या? बच्चे पिवत्र रहकर के दिखाओ। बाबा तो चाहते हैं कोई ऐसा बच्चा निकले जो शादी करे और क्या कर के दिखावे? पिवत्र बनकर के दिखावे, ये चैलेन्ज उठाके दिखावे। फिर कितने निकलते हैं?

प्रश्न – आठ।

Time: 29.00-32.17

Question: Baba, we have been asked to maintain a Kannada Murli register.

Baba: Who asked you?

Question: We have been asked to maintain a library.

Baba: You have been asked to maintain a library? Someone must have asked and he must have been told (by Baba to maintain a library). Some ask: Baba, can I get married? Then Baba says: Yes, child, get married. (Similarly, Baba must have given a direction on being

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

asked for permission) Maintain a register of Kannada Murlis to teach people Hindi, so that people could learn Hindi! Then, those who have to get married will get marry, but a condition is added later on. What? Children you have to lead a pure life. Baba wants that there should be a child who gets married and what example should he set? He should set an example of leading a pure life. He should take up this challenge. Then, how many emerge?

Ouestion: Eight.

बाबा — वो शादी कर के पिवत्र बनते हैं? बोलो। नहीं निकलते? अरे, शादी कर के शादी पिवत्र बनते हैं या नहीं बनते हैं? बनते हैं। एक बाप के साथ शादी करते हैं। व्याभिचारी नहीं बनते हैं। तो फिर कहते हैं, बाबा ने डायरेक्शन दिया ना। बाबा ने अपने आप डायरेक्शन दिया या पूछने पर दिया? अरे, ऐसी बात पूछना ही क्यों जिसमें कमजोरी भरी हुई हो। बाप आये हैं क्या लक्ष्य देकर के? एक धर्म, एक राज्य, एक भाषा स्थापन करने के लिए। तो मना नहीं करते हैं कि और भाषायें नहीं सीखना हैं। और भाषायें सीखना है। बच्चों को अनेक भाषायें सीखना है लेकिन ये भी बुद्धि में रहे कि लक्ष्य क्या दिया हुआ हैं? एक भाषा स्थापन करने का लक्ष्य दिया हुआ है। जिन आत्माओं को भी उठायें उनमें एक भाषा का फाउन्डेशन पड़ जाये। बाप के बच्चे बनकर के दिखाये। बाप का बच्चा हो और भाषा माँ—बाप की न बोल पाता हो। बच्चा बड़ा हो जावे और भाषा न आती हो तो मातृभाषा वाला बच्चा कहेंगे? कहेंगे ही नहीं। हमारा लक्ष्य स्वदेशी बनाने का है या विदेशी बनाने का है? स्वदेशी बनाने का है।

प्रश्न – तो करने की जरूरत नहीं है? बाबा – लक्ष्य की बात है। लक्ष्य ऊँचा होना चाहिए, भाव ऊँचा होना चाहिये।

Baba: Do they remain pure after getting married? Speak up. Don't they? Arey, after getting married, do they remain pure or not? They do. They marry one Father. They do not become adulterous. So, later they say: Baba has given us a direction, hasn't he? Did Baba give direction on his own or on being asked by you? Arey, why should you ask something which has weakness in it? With what aim has the Father come? [He has come to] establish one religion, one kingdom, one language. So, Baba does not stop you from learning other languages. You have to learn other languages. Children have to learn many languages, but in your intellect you should be aware of the goal. You have been given the goal to establish one language. You should lay the foundation of one language in whichever soul you uplift. They should become the children of the Father. If someone is the Father's child and cannot speak the language of the parents, if the child grows up and does not know the language, then will the child be said to know his mothertongue? No, he won't be said so. Is our aim to make (others) swadeshi or videshi? To make swadeshi.

Question: So, shouldn't we maintain (the Kannada Murli register)?

Baba: It is about the aim. The aim should be high, the intention should be high.

41.25-45.16

प्रश्न— आत्मिक स्टेज, मनमनाभव, नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा तीनों का अंतर क्या है? बाबा— आत्मिक स्टेज और नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा। जिसकी आत्मिक स्टेज बन जायेगी। आत्मा अपने को सदाकालीन समझने लगेगा तो उसको दुनियाँ, दुनियाँ के पाँच तत्व, पाँच तत्वों से बने देह, देह के पदार्थ याद आयेंगे? याद ही नहीं आयेंगे। याद आते हैं माना अटैचमेन्ट है, अटैचमेन्ट है माना याद आ रहा है। तो आत्मिक स्थिति तो नहीं है। वो पाँच तत्व खींच रहे हैं माना लगाव हैं। कोई न कोई देह के सम्बन्धी में लगाव है, देह के पदार्थ में लगाव जरूर है। नहीं तो याद क्यों आयेगा? इसकी निशानी भी है। जिसका दुनियाँ में कोई चीज़ में,

कोई वस्तु में, कोई देहधारी में लगाव नहीं होगा। उसको ईश्वरीय सेवा के सिवाए और कुछ दिखाई नहीं देगा। क्या? ईश्वरीय सेवा के सिवाए और कुछ नहीं दिखाई देगा।

Time: 41.25-45.16

Question: What is the difference between soul conscious stage, *manmanabhav*, and *nashtomoha smritilabdha*?

Baba: Soul conscious stage, and *nashtomoha smritilabdha*. He who achieves soul conscious stage, he who starts thinking himself to be a soul always, will he remember the world, the five elements of the world, the body made up of the five elements, and the things related to the body? He will not remember them at all. If he remembers them, then it means there is attachment [to them]; and if there is attachment, it means he is remembering them. So, it's not a soul conscious stage. If those five elements are pulling (his interest); it means there is attachment. There is certainly attachment in some or the other bodily relative, there is attachment in things related to the body. Otherwise, why will they come to the mind? There is also an indication of this. He who does not have any attachment for any thing, any bodily being will not see anything other than service of God. What? He will not see anything other than service of God.

प्रश्न – बाबा शूद्र वर्ण की शूटिंग होने के बाद फिर बीजरूपी दुनियाँ में विनाश होगा।

बाबा — शूद्र वर्ण की शूटिंग जो है वो पहले किसकी होगी? शूद्र वर्ण की शूटिंग का अंत पहले किसका होगा?

प्रश्न – अंत का मतलब नहीं समझा?

बाबा — अरे! अंत का मतलब ही नहीं समझा। शूद्र वर्ण एक होता है कलियुग के आदि का और एक होता है कलियुग के अंत का। तो कलियुग का अंत जब होगा तो पहले—पहले शूद्र वर्ण का अंत किसका होगा?

बाबा – इतनी बात नहीं आ रही हैं समझ में।

Question: Baba, destruction will take place in the seed-form world after the *shooting* of *Shudra class* (a lowermost caste among the Hindus).

Baba: Who will enact the 'shooting' (i.e. rehearsal) of *Shudra class* first? Who will complete the *shooting* of *Shudra class* first of all?

Question: I did not understand the meaning of completion.

Baba: Arey! Did you not understand the meaning of completion? One is the shooting of Shudra class of the beginning of the Iron Age and one is of the end of the Iron Age. So, when the end of the Iron Age begins, then who will complete the (shooting of) Shudra class first?

Baba: You are not able to understand such a small issue.

प्रश्न – पहला शूद्र।

बाबा — हाँ, जो पहला शूद्र वो तो किलयुग के आदि में बना। किलयुग आदि के शूटिंग में बना पहला शूद्र। तो किलयुग अंत में बनेगा पहला शूद्र से ब्राहमण। तो जो पहला ब्राहमण बन जायेगा उसकी बुद्धि में शूद्रपने का अंत भी बैठ जायेगा। आप मुये मर गई दुनियाँ। विनाश शुरू। पहले बुद्धि से शुरूआत होगी। सन् 76 में क्या हुआ? सन् 76 में, दस साल में। पुरानी दुनियाँ का विनाश और नई दुनियाँ की स्थापना। कौनसी बुद्धि रूपी धरणी में हुई? बाप के लिए गाया हुआ है।

प्रश्न – तो अभी शूद्र का अंत का शूटिंग चल रहा है?

बाबा — माना अनुभव नहीं आ रहा है अभी। जब ज्ञान में आये थे तब क्या स्टेज थी और अब क्या स्टेज हैं? बहुत पुरूषार्थ करने के बावजूद भी, बहुत चाहना रखने के बावजूद भी स्टेज क्या है अभी? तामसी स्टेज है या सात्विक स्टेज हैं? जब ज्ञान में आये थे चाहे बेसिक में, चाहे एडवान्स में। उस समय अमृतवेला सहज होता था या अब अमृतवेला सहज हो रहा है? तो पता नहीं लग रहा है।

Question: The first Shudra.

Baba: Yes, he was the first Shudra in the beginning of the Iron Age. He was the first Shudra in the shooting of the beginning of the Iron Age. So, in the end of the Iron Age, he will change from the first Shudra to Brahmin. So, the Shudra character will end in the intellect of the one who becomes the first Brahmin. When you die, the world is dead for you (*aap muye mar gayi duniya*). The destruction begins. First it will begin within the intellect. What happened in the year (19)76? In the year 76; within ten years...., the destruction of the old world and establishment of the new world [will take place]. It took place in which land-like intellect? It is praised for the Father.

Question: So, is the *shooting* of the end of Shudra part going on now?

Baba: Are you not experiencing it now? What was your stage when you entered the path of knowledge and what is the stage now? Despite making a lot of *purusharth* (spiritual efforts), despite having a strong desire, what is the stage now? Is the stage degraded or is it pure? When you entered the path of knowledge, whether it was basic or advance (knowledge); did you find *amritvela* to be easy at that time or do you find *amritvela* to be easy now? So, can't you make out?

50.37

प्रश्न – राम रावण बनता है।

बाबा – राम रावण बनता है, कृष्ण ही कंस बनता है।

प्रश्न – कब बनता, किसलिए बनता है?

बाबा — जब सतोप्रधान होते हैं तब सब सच्चे होते हैं। जब तमोप्रधान दुनियाँ होती है तो सब सच्चे होते हैं या झूठे होते हैं? तब सब झूठे होते हैं। सच की दुनियाँ, स्वर्ग की दुनियाँ मेरी है तो झूठ की दुनियाँ, नर्क की दुनियाँ मेरी नहीं है क्या? तुम स्वर्ग की दुनियाँ के भी सरताज बनते हो और नर्क की दुनियाँ के सरताज तुम बनते हो। झूठी बात है क्या? नहीं। बच्चे तुम्हारा बाप आया हुआ है। सिर्फ देव आत्मा बच्चों का ही बाप आया हुआ है या राक्षसों का भी बाप आया हुआ है? दोंनो का बाप आया हुआ है। अरे, देवताओं की दुनियाँ हो चाहे राक्षसों की दुनियाँ हो। दोंनो प्रकार की दुनियाँ का बीज एक हैं या दो है? एक ही बीज है।

Time: 50.37

Question: Ram becomes Ravan?

Baba: Ram becomes Ravan; Krishna himself becomes Kansa.

Question: When and why does he become [Ravan]?

Baba: In the *satopradhan*¹ (stage), everyone is truthful. When the world is *tamopradhan*, is everyone truthful or are they false? (Student said: they are false) Then everyone is false. If the world of truth, the world of heaven is mine, is the world of untruth, the world of hell not mine? You become the king of the heavenly world as well as the king of the hellish world. Is it false? No. 'Children, your Father has come'. Has the Father of just the deity children come or has the Father of the demons also arrived? The Father of both of them has arrived. Arey,

-

¹ Consisting mainly in the quality of goodness and purity

whether it is the world of deities or the world of demons; is the seed of both the worlds the same or different? The seed is the same.

प्रश्न - जो सतयुग में दास-दासी बनता है वही त्रेता में फर्स्ट प्रिन्स बनता है।

बाबा – सतयुग में दास–दासी बनता है। अच्छा।

प्रश्न – वही त्रेता में प्रिन्स-प्रिन्सेज बनता है।

बाबा — सतयुग के आदि में जो माया है, जो प्रकृति है वो क्या बन जाती है? दास—दासी बन जाती है। त्रेता के पहले जन्म में राजा बन जाती है? बन जाती है क्या? नहीं। आदि के जन्मों में जो दास—दासी बनते है वो अंतिम जन्मों में जाकर के ताज पतलून मिलता है। क्या? सोलह हजार एक सौ आठ की लिस्ट में तो आवेंगे, राज घराने में तो आवेंगे, लेकिन प्राप्ति में बहुत फर्क पड़ जाता है। कोई को आदि की प्राप्ति होती है और कोई को अंत की थोड़ी सी प्राप्ति होती है। त्रेता के अंत में जिनको राजाई मिलती है उनको खंडित राजाई मिलती है या जिस राजाई का गायन है वो राजाई मिलती है? खंडित राजाई मिलती है।

Question: He who becomes servant or maid in the Golden Age will become first prince in the Silver Age.

Baba: He becomes maid or servant in the Golden Age. Alright.

Question: He himself becomes prince or princess in the Silver Age.

Baba: What does Maya or the Nature become in the beginning of the Golden Age? She becomes a maid or a servant. Does she become a king in the first birth of the Silver Age? Does she become? No. Those who become maids and servants in the initial births receive *taaj-patloon* (honor and reputation) in the last births (in heaven). What? They will no doubt come in the list of 16,108, they will no doubt come in the royal clan, but there will be a lot difference in their fruit (of previous deeds). Some receive the fruit in the beginning and some receive a little fruit in the end. Do those who receive kingship in the end of the Silver Age get a defective kingship or do they receive the kingship that is praised (in heaven)? They receive a defective kingship.

प्रश्न — इस्लाम धर्म से जो बीज बैठते हैं तब से ही खंडित होना शुरू हो जाते हैं त्रेता के अंत में?

बाबा – व्याभिचार का बीज जब से पनपता है तब से ही तीव्र रूप से पतन होता हैं।

प्रश्न – द्वापर शुरू होने के पहले ही थोड़े समय पहले ही अर्धविनाश हो जायेगा?

बाबा — द्वापर और त्रेता के संधि में ही आधा विनाश होता है। जैसे कलियुग और सतयुग के आदि जो संगम होता है उसी में विनाश होता है। ऐसे ही त्रेता का अंत और द्वापर का आदि जो संगम है उसमें आधा विनाश होता है।

Question: Ever since the seeds of Islam sit [on the throne] in the end of the Silver Age, they (the kingships) start becoming defective?

Baba: Fast downfall begins ever since the seed of adultery starts flourishing.

Question: That means the semi-destruction will take place some time before the beginning of the Copper Age itself.

Baba: Semi-destruction takes place in the confluence of the Copper Age and the Silver Age itself. For example, destruction takes place in the confluence of the Iron Age and the Golden Age. Similarly, semi-destruction takes place in the confluence of the Silver Age and Copper Age.

प्रश्न – आधा विनाश होता है देवतायें सब निर्विकारी रहते हैं?

बाबा – वो धीरे-धीरे विकारी बनना शुरू होते हैं संग के रंग में आते-आते।

प्रश्न – तब तो शुरू होते हैं फिर विनाश कैसे होता है तो क्यों मरना पड़ता है?

बाबा — इसिलए ये जो विकार हैं वो श्रेष्ठ इन्द्रियों से उतर कर के कहाँ आ गया? भ्रष्ट इन्द्रियों में आ गया। इसिलए आधा विनाश हो जाता है। ज्ञानेन्द्रियों से उतर जाता हैं और देहभान कहाँ बैठ जाता है? भ्रष्ट इन्द्रियों में बैठ जाता है। जैसे तराजु का पलड़ा होता है जबतक बराबर है तो समानता है या असमानता है?

प्रश्न – समानता है।

बाबा — और एक नीचा हो जाये, एक ऊपर हो जाये तो क्या कहेंगे? असमानता हो गई। द्वापर के आदि और त्रेता के अंत काल में असमानता आ जाती हैं।

Question: When semi-destruction takes place, do all the deities remain viceless?

Baba: They start becoming vicious gradually while coming in the colour of the company [of the souls who come from above].

Question: It starts at that time. When destruction takes place, why do they have to die?

Baba: It is because the vices descended from the righteous organs to which organs? To the unrighteous (corrupt) organs. This is why semi-destruction takes place. It descends from the sense organs and where does the body consciousness settle? It settles in the unrighteous organs. For example a balance scale, until both sides of a balance are equal, is there equality or inequality?

Question: There is equality.

Baba: And what if one side goes down and one side goes up? There is inequality. Inequality emerges at the beginning of the Copper Age and end of the Silver Age.

प्रश्न — ठीक है बाबा असमानता आ जाती है फिर भी सतोप्रधान होंगे ना? आत्मायें तमोप्रधान नहीं बनेंगे तो फिर क्यों मरना पड़ता है?

बाबा — तमोप्रधान नहीं बनती उससे क्या हुआ, लेकिन पाप की वृद्धि तो हो जाती हैं तेजी से।

प्रश्न – पाप की वृद्धि तो बाद में होती है ना।

बाबा — बाद में नहीं। द्वापर आदि से ही पाप होना शुरू हो जाते हैं। देहमान आया और पाप शुरू हुए। व्याभिचार से देहमान तेजी बढ़ता हैं। त्रेता के अंतिम जन्म के आदि में भी असमानता नहीं होती, व्याभिचार नहीं होता। त्रेता का अंतिम जन्म और उसका अंत हुआ और असमानता की शुरूआत हो गई। जैसे पलड़े हो, तराजु के दो पलड़े। एक में थोड़ा भी वजन ज्यादा हो जाता है तो क्या होने लगता हैं? ऊपर—नीचे होना शुरू हो जाता हैं। तो ऐसे ही त्रेता के अंतिम जन्म के आदि में बैलेन्स बिगड़ता नहीं हैं पृथ्वी का। जैसे ही अंत हुआ वैसे ही पृथ्वी का बैलेन्स बिगड जाता हैं। हाँ, पूरा बैलेन्स नहीं बिगडता।

Question: Alright, Baba inequality emerges. Even then they will be *satopradhan*, will they not? If the souls do not be come *tamopradhan*, then why do they have to die?

Baba: What if they do not become *tamopradhan*? But the sins increase rapidly.

Question: Sins increase later on.

Baba: Not later. They start committing sins from the beginning of the Copper Age itself. Body consciousness emerges, and they start committing sins. Body consciousness increases rapidly when adultery increases. There is no inequality, no adultery even in the beginning of the last birth of the Silver Age. Inequality begins as soon as the last birth of Silver Age ends.

For example, there are two sides of the balance. If the weight on one side increases slightly, what happens? It starts oscillating up and down. Similarly, the balance of Earth is not disturbed in the beginning of the last birth of the Silver Age. As soon as [the Silver Age] ends the balance of the Earth is disturbed. Yes, the entire balance is not disturbed.

प्रश्न – द्वापर के शुरू का 50-100 साल के अंदर ही अर्घ विनाश होता है।

बाबा – हाँ, जी।

प्रश्न – अर्घ विनाश का शूटिंग यहाँ नहीं हुआ अभी?

बाबा – अच्छा! अर्धविनाश की शूटिंग होती ही नहीं यहाँ।

प्रश्न - संगम में अभी होगी या होने वाली हैं?

बाबा — माना बेसिक नॉलेज में अर्ध विनाश की शूटिंग नहीं हुई और एडवान्स नॉलेज में अर्धविनाश की शूटिंग नहीं हुई? मम्मा—बाबा ने जब शरीर छोड़ा था तब अर्धविनाश की शूटिंग हुई या नहीं हुई?

प्रश्न – हुई।

बाबा – उसकी निशानी क्या हैं?

प्रश्न – प्रोविंसेस अलग–अलग हो गये।

बाबा — धर्मसत्ता, राज्यसत्ता अनेक हाथों में वितरित हो जाती है। ऐसे ही एडवान्स की दुनियाँ में 98 में जैसे ही बैलेन्स बिगड़ा वैसे ही एडवान्स में अनेक प्रकार की विष्णु पार्टियाँ शुरू हो गई। पहले धर्मसत्ता, राज्यसत्ता एक ही हाथ में थी। पार्टीबाजी नहीं थी एडवांस में।

Question: Semi-destruction takes place within 50-100 years of the beginning of the Copper Age.

Baba: Yes.

Question: Did the shooting of the semi-destruction not take place here now? **Baba:** Alright, does the shooting of semi-destruction not take place at all here?

Question: Will it take place now in the Confluence Age or in the future?

Baba: Does it mean that the shooting of semi-destruction did not take place in the basic knowledge and the shooting of semi-destruction did not take place in advance knowledge? Did shooting of semi-destruction take place or not when Mamma-Baba left their bodies?

Question: It took place.

Baba: What is its indication?

Question: The provinces became separate.

Baba: The power of religion (*dharmasatta*) and the power of kingship (*rajyasatta*) is distributed among different hands (i.e. people). Similarly, as soon as imbalance occurs in the year (19)98 in the world of advance, different kinds of Vishnu parties started. Earlier, the power of religion and the power of kingship were in one hand. There was no *partyism* in advance.

.....

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.